ग्रामप्रिया

भाकृअनुप - कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय
आईएसओ (ISO) 9001-2008
राजेंद्रनगर, हैदराबाद
सरदार पटेल भाकृअनुप उत्कृष्ट संस्थान

भारत में औसत वार्षिक अंडों की खपत आईसीएमआर (ICMR) सिफारिशों के अनुसार स्वस्थ मानव के लिए आवश्यक 180 अंडों के मुकाबले लगभग 55 प्रति व्यक्ति मात्र ही है। शहरी, अर्ध शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अंडे की खपत में भारी असमानता है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे कम 5 से 20 अंडे हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में खपत स्थिति में असमानता अंडों की अनुपलब्धता के कारण है, क्योंकि लेयर उद्योग मुख्य रूप से देश के शहरी और उप–शहरी क्षेत्रों में केंद्रित है, परिणामस्वरूप, शहरी क्षेत्रों में अंडों की खपत अधिक है और ग्रामीण क्षेत्रों में काफी हद तक यह कम है। ग्रामीण आबादी में प्रोटीन कुपोषण विशेष रूप से गर्भवती महिलाएं दुग्धपान कराने वाली माताओं, बढ़ते बच्चों और बीमार लोगों को ग्रामीण/ आदिवासी क्षेत्रों में आम है। ग्रामीण/ जनजातीय क्षेत्रों के घरेलू वातावरण व्यर्थ पदार्थों (गिरे हुए दाने, कीड़े, केंचुआ, रसोई के कचरे, हरी घास, आदि) के समृद्ध स्रोत हैं। ग्रामीण प्राकृतिक खाद्यान्न से ग्रामीण कुक्कुट किस्मों का पालन कर पोषण को अंडों एवं मांस में परिवर्तित कर मानव भोजन के रूप में वापस लाया जा सकता है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक संख्या में अंडे और अधिक मात्रा में मांस का उत्पादन करते हैं, जिससे इस क्षेत्र के लोगों की पोषण और आर्थिक स्थिति में वृद्धि होती है ।

ग्रामीण / जनजातीय क्षेत्रों में अंडों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए, डीपीआर ने ग्रामप्रिया नामक नस्ल का विकास किया है, जो भूरे रंग के अंडे देने वाली एक लेयर नस्ल हैं जो अधिक संख्या में अंडे देती है और देशी कुक्कुट के समान होती है। मादा पक्षियों में उत्पादन एक वर्ष में 180 अंडे उत्पन्न करने की क्षमता होती है (72 सप्ताह की आयु तक), तंदूरी प्रकार के व्यंजन तैयार करने के लिए ग्रामप्रिया के नर सबसे उपयुक्त होते हैं। घर आंगन परिस्थितियों में ग्रामप्रिया में उच्च प्रतिरक्षा क्षमता और बेहतर उत्तरजीविता होती है। अपने मध्यम शरीर के वजन के कारण यह पक्षी आसानी से परभक्षी शिकारियों से आसानी से बच सकते हैं। नर्सरी में 6 सप्ताह तक की आयु में चूजों को पालने और फिर किसानों के घर के पिछवाड़े में छोड़ कर इन कुक्कुटों को ग्रामीण क्षेत्रों में सफलतापूर्वक लाया गया है।

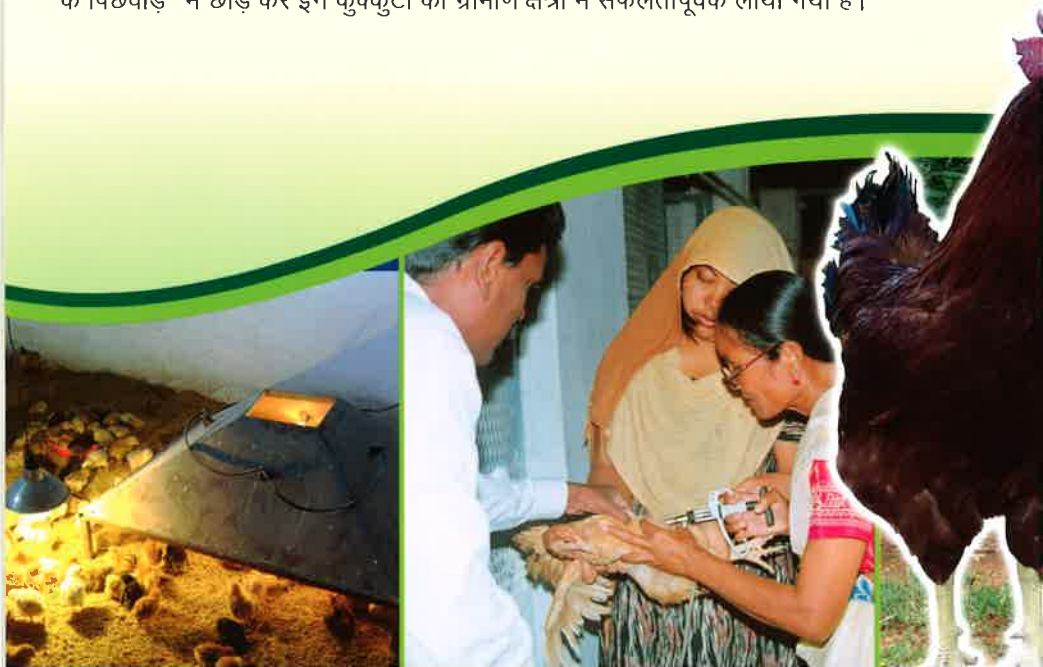

ग्रामप्रिया के आशाजनक विशेषताएं

- आकर्षक पंख के रंग
- माध्यमिक शरीर का वजन
- देशी कुक्कुट की तुलना में अधिक अंडों का उत्पादन
- परभक्षियों का खतरा कम
- भूरे रंग के अंडों का उत्पादन

1. नर्सरी प्रबंधन

प्रारंभिक 6 सप्ताह की आयु के दौरान ग्रामप्रिया के लिए ब्रूडिंग आवश्यक है। संतुलित दाना, व्यापक स्वास्थ्य देखभाल और प्रबंधन जो लेयर चूजों के समान देखभाल की तरह ही है ।

ब्रूड़र : कुक्कुट गृह में समान रूप से 2–3 इंच की मोटाई में साफ कूड़े पदार्थ (मूंगफली की भूसी / धान की भूसी / लकड़ी का भूसा) फैलाएं, तत्पश्चात अखबार को कूड़े पर फैला दिया जाए। वैकल्पिक रूप से फीडरों और पानी का व्यवस्था करे। 4–6 सप्ताह की आयु तक 2 वाट / चिक का ताप स्रोत (विद्युत) पर्याप्त है। उच्च पर्यावरणीय तापमान पर कुक्कुट गर्मी स्रोत से दूर चले जाते हैं। यदि यह बहुत ठंडा है, तो चूजे गर्मी के स्रोत के करीब पहुंच कर वहीं विचरण करने लगते हैं। अनुकूल तापमान बनाए रखने हेतु ब्रूडरों में चूजों को एक समान रूप से रखा जाए ।

दाना : नर्सरी में पालन की अवधि के दौरान आवश्यक खनिजों के साथ संतुलित दाना, विटामिन एवं रोगाणुरोधी प्रदान किया जाना चाहिए। स्थानीय दाना सामग्री (बाजरा, ज्वार, कोर्रा, रागी, टूटे चावल , साबूदाना, साल बीज भोजन, सूरजमुखी पट्टी, अखरोट पट्टी, तिल पट्टी, मक्का ग्लूटिन भोजन, आदि) का उपयोग कर दाना तैयार किया जा सकता है। कुक्कुट 2400 kcalME / किग्रा वजन प्राप्त करने हेतु 18% सीपी, 0.85% लाइसिन, 0.38% मेथियोनीन, 0.7% कैल्शियम और 0.35% उपलब्ध फास्फोरस (तालिका 1) का उपयोग किया जाए। सभी चूजों को पीने के साफ पानी तक आसानी से पहुँचना सुनिश्चित किया जाए।

तालिका 1. स्थानीय रूप से उपलब्ध दाना सामग्री के साथ दाना तैयार करना

मक्का / बाजरा / ज्वार / रागी / टूटी चावल आदि।	50 भागों
चावल का भूसा / गेहूँ का भूसा / तेल रहित चावल का भूसा आदि।	20 भागों
सोयाबीन दाना / मूंगफली दाना / सूरजमुखी दाना / तिल पट्टी / अलसी पट्टी	28 भागों
विटामिन और खनिज मिश्रण	2 भागों

स्वास्थ्य देखभाल: ग्रामप्रिया को मर्कस, न्यू कैसल, आईबीडी और फॉल पॉक्स (तालिका 2) से सुरक्षा की आवश्यकता है। बेहतर प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया के लिए टीकाकरण के दिन विरोधी तनाव यौगिक प्रदान करना आवश्यक है। नरभक्षण को रोकने के लिए ट्रेस खनिजों और सामान्य नमक की सांद्रता इष्टतम (100 ग्राम और 400 ग्राम / 100 ग्राम फीड) होनी चाहिए।

तालिका 2: ग्रामप्रिया कुक्कुट हेतु टीकाकरण कार्यक्रम

आयु	वैक्सीन का नाम	तनाव	खुराक	मार्ग
हैचरी में				
पहला दिन	मारेक्स बीमारी	एच वी टी	0.20 मिली	एस सी इंजेक्शन
नर्सरी में				
5 वें दिन	न्यूकैसल बीमारी	लसोटा (Lasota)	एक बूंद	आंख में
14 वें दिन	संक्रामक बर्सल रोग	बर्सल बीमार	जॉर्जिया	एक बूंद मुँह में
21 वां दिन	चेचक	फॉउल पॉक्स	0.20 मिली	आईएम / एससी इंजेक्शन
28 वां दिन	न्यूकैसल बीमारी*	लसोटा (Lasota)	एक बूंद	आंख में
मैदान में				
9 वां सप्ताह	न्यूकैसल बीमारी*	R2B	0.50 मिली	एस सी इंजेक्शन
12 वां सप्ताह	चेचक	फॉल पॉक्स	0.20 मिली	एस सी इंजेक्शन

* इन 6 टीकों को हर 6 महीने के अंतराल पर दोहराएं

2. मुक्त क्षेत्र पालन प्रबंधन

प्रबंधन: छह सप्ताह की आयु में यह कुक्कुट का शरीर का वजन (तालिका 3) 400–500 ग्राम प्राप्त होता है। इन कुक्कुटों को क्षेत्र और प्राकृतिक रूप से उपलब्ध दाना के आधार पर 10–20 कुक्कुटों / घरों के पिछवाड़े मुक्त श्रेत्रों में विचनण हेतु छोडा जाना चाहिए। कुक्कुटों को दिन के समय दाना देने के लिए बाहर छोडा जाए है, जबकि रात में उन्हें रैन बसेरा में रखा जाना चाहिए है, जिसमें पर्याप्त हवा एवं रोशनी उपलब्ध हों साथ ही परभक्षियों से सुरक्षित रखा जाए।

दाना : मुक्त क्षेत्र की परिस्थितियों में साधरणत: ये पक्षी अपनी प्रोटीन की आवश्यकता को खुले क्षेत्रों में उपलदब्ध प्राकृतिक अपशिष्ट पदार्थों से पूरा करलेते हैं, लेकिन ऊर्जा की कमी की संभावना होती है। इसलिए, ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध विभिन्न अनाज (जैसे बाजरा, रागी, ज्वार, कोर्रा, टूटे हुए चावल, समान भागों के पॉलिश किया चावल या चावल की भूसी) के साथ कुक्कुटों को खिलाएं ताकि मुक्त क्षेत्र परिस्थितियों में उत्पादन को बनाए रखा जा सके। आवश्यकता के आधार पर शाम को आवश्यक दाना दिया जाए। रैन बसेरे से कुक्कुटों को बाहर छोड़ते समय स्वच्छ, ताजा और ठंडा पेयजल सुबह–सुबह उपलब्ध किया जाए। 6.0–6.5 महीने की आयु (यानी यौन परिपक्वता की आयु) में 1.6 से 1.8 किलोग्राम के बीच पुल्लेट (मादा) के वजन को सीमित करने के लिए देखभाल की जानी चाहिए। कैल्शियम स्रोत (चूना पाउडर, सीप चूर्ण, पत्थर चूर्ण आदि) @ 3–4g / कुक्कुट / दिन को अनुपूरक के रूप में देते हुए अंडे टूटना / छिलका रहित अंडों की स्थिति को कम किया जा सकता है।

स्वास्थ्य देखभाल

कुक्कुट को बीमारियों से बचाने के लिए 6 महीने के अंतराल पर न्यूकैसल और फाउल पॉक्स (तालिका 2) में दिए गए अनुसार टीकाकरण को दोहराया जाए। 3–4 महीने के अंतराल पर कीटनाशक दवा दी जाती रहे। रैन बसेरा के लिए उपयोग की जाने वाली सामग्री जैसे लकड़ी और बांस से बाहरी परजीवियों से बचने के लिए एक अच्छा स्थान प्रदान करता है और इसलिए इसे नियमित अंतराल पर अच्छी तरह से साफ किया जाना चाहिए। रात का बसेरा अच्छा हवादार होना चाहिए और शिकारियों से सुरक्षा प्रदान हों , सामुदायिक आधार पर इन सभी पहलुओं (टीकाकरण एवं दवा) पर ध्यान देने से इन मुद्दों का प्रभावी समाधान होगा।

आर्थिक लक्षण	प्रदर्शन
शरीर का वजन, ग्राम	
6 सप्ताह	400-500
यौन परिपक्वता (प्रतिबंधित भोजन) पर	1,600-1,800
अंडे का वजन, ग्राम	
28 सप्ताह	49-52
40 सप्ताह	57-58
पहले अंडे की आयु, दिन	160-165
अंडा उत्पादन, संख्या: 72 सप्ताह तक	160-180
उत्तरजीविता, % (6 सप्ताह तक)	99

आपूर्ति

उपजाऊ अंडे: ग्रामप्रिया के उपजाऊ अंडे इस निदेशालय से भुगतान के आधार पर सभी कार्य दिवसों में प्राप्त किए जा सकते हैं। अंडे को ठंडे स्थान (10^0C) में संग्रहीत किया जाना चाहिए जब तक कि वे हैचिंग के लिए निर्धारित न हों। बेहतर हैचबिलिटी के लिए लगभग 12–15 अंडे ब्रूडी देसी मुर्गी के नीचे रखे जाएं।

चूजे: अग्रिम भुगतान पर चूजे उपलब्ध होते हैं। भुगतान "कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय" के पक्ष में तैयार किए गए डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) के माध्यम से किया जाना है तथा इसे निदेशक, कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद –500 030, भेजा जाए। पत्राचार के लिए अपना संपर्क पता और टेलीफोन नंबर प्रदान करें। डीडी प्राप्त करने के बाद निदेशालय आपूर्ति की तारीख को सूचित करेगा। ग्राहकों को निदेशालय से कुक्कुटों को प्राप्त करना आवश्यक है।

विभिन्न राज्यों में स्थित हमारे कुक्कुट बीज परियोजना केंद्रों से ग्रामप्रिया चूजों और उपजाऊ अंडे पाए जा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेब साइट www.pdonpoultry.org देखें।

भाकृअनुप - कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय

आईएसओ (ISO) 9001-2008

राजेंद्रनगर, हैदराबाद – 500 030, भारत

दूरभाष: +91 (40) 24017000/240 15651/24018687

फ़ैक्स : +91 (40) 24017002

ईमेल : pdpoult@.nic.in

वेबसाईट: www.pdonpoultry.org